संपादकीय

वादे निभाने का वक्त

राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेसी मुख्यमंत्री ऐसे समय में अपना कार्यभार संभालने जा रहे हैं, जब लोकसभा चुनावों में कुछ ही महीने रह गए हैं। पार्टी आलाकमान ने संभवतः इसी को ध्यान में रखकर नए चेहरों को आजमाने का जोखिम नहीं लिया। हालांकि इन मुख्यमंत्रियों की पारी अभी शुरू भी नहीं हुई थी कि एक सीएम पर विवाद हो गया।

सोमवार को ही दिल्ली हाईकोर्ट ने 1984 के सिख विरोधी दंगों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सज्जन कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके तुरंत बाद बीजेपी ने मध्य प्रदेश के नए मुख्यमंत्री कमलनाथ पर हमला बोला और कहा कि कांग्रेस उनके खिलाफ कार्रवाई करे क्योंकि इन दंगों में शामिल होने का आरोप उन पर भी है। संभव है, इससे कांग्रेस का उत्साह थोड़ा हल्का पड़ा हो। एक बात तय है कि इन मुख्यमंत्रियों के ऊपर अभी जनकल्याण से ज्यादा बड़ी जवाबदेही अपनी पार्टी के बिखरे आधार को दोबारा एकजुट करने की है। उन तमाम समुदायों को, जो कांग्रेस से दूर चले गए हैं, फिर से कांग्रेसी छाते के नीचे लाने की चुनौती इनके सामने है।

चुनाव प्रचार में कांग्रेस ने किसानों के मुद्दे पर बीजेपी को घेरा, जिसका उसे सीधा लाभ मिला। अब तीनों मुख्यमंत्रियों को किसानों से किए गए वादे बहुत कम समय में पूरे करने होंगे। सत्ता में आने के दस दिनों के अंदर किसानों का कर्ज माफ कर देने का वादा इनमें सर्वप्रमुख है लेकिन इसको निभाना तीनों राज्यों के खजाने पर काफी भारी पड़ने वाला है। खासकर मध्य प्रदेश और राजस्थान की सरकारों के लिए इतनी धनराशि जुटाना बहुत मुश्किल होगा।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि राजस्थान को कर्ज माफी के लिए 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक चाहिए होंगे, जबकि मध्य प्रदेश को लगभग 50 हजार करोड़ रुपयों की जरूरत पड़ेगी। छत्तीसगढ़ का काम अपेक्षाकृत कम राशि में चल जाएगा। निश्चय ही यह कांग्रेस की परीक्षा है। इसमें वह पास हुई तो 2019 में न सिर्फ इन तीन राज्यों में बल्कि पूरे देश में किसानों की सहानुभूति उसे हासिल हो सकती है।

कांग्रेस ने भ्रष्टाचार का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया है। ऐसे में नई सरकारों से लोगों की अपेक्षा यह रहेगी कि मध्य प्रदेश में व्यापम और छत्तीसगढ़ में नागरिक आपूर्ति निगम घोटाले की जांच में तेजी आए। छत्तीसगढ़ में ऋण माफी के अलावा दस दिनों के अंदर धान की सरकारी खरीद 1800 रुपये प्रति क्विंटल की जगह 2500 रुपये प्रति क्विंटल की दर से करने का वादा किया गया है। इस आस में वहां किसानों ने अपना धान मंडियों में ले जाने के बजाय घर में ही भर रखा है। उनसे नई दर पर जल्दी धान खरीदना छत्तीसगढ़ की सरकार के सामने खासी बड़ी चुनौती होगी। किसानों के साथ-साथ व्यवसायी जगत, मध्यवर्ग और युवाओं को भी लगना चाहिए कि राज्य सरकार की नीतियां उनके अनुकूल हैं। कमलनाथ, अशोक गहलोत और भूपेश बघेल को हनीमून पीरियड में ही दिखाना होगा कि वे बीजेपी से बेहतर सरकार चला सकते हैं।

99 फीसदी वस्तुओं को 18 प्रतिशत जीएसटी स्लैब में लाने की योजना : मोदी

मुंबई (आरएनएस)। देश के पांच राज्यों में चुनाव हारने के बाद केंद्र की मोदी सरकार कुछ अहम फैसले लेने की तैयारी में है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि 99 फीसदी वस्तुओं को 18 प्रतिशत जीएसटी के दायरे में लाने की कोशिश की जा रही है। पीएम मोदी ने ये बात रिपब्लिक समिट के दौरान कही। उन्होंने संकेत दिए कि 28 प्रतिशत टैक्स स्लैब में सिर्फ लग्जरी

और कुछ अन्य वस्तुओं को ही रखा जाएगा।

मोदी ने कहा कि आम आदमी के इस्तेमाल की ज्यादातर वस्तुओं को 18 प्रतिशत या इससे कम के टैक्स स्लैब में रखने के लिए कदम उठाए जाएंगे। इसके साथ ही जीएसटी को कारोबारियों के लिए आसान बनाने की कोशिशें भी जारी हैं। इस दौरान मोदी ने कहा कि देश में लंबे समय से जीएसटी की मांग की जा रही थी। मुझे खुशी है कि इसके लागू होने से व्यापार में विरोधाभास खत्म हुए हैं और टैक्स सिस्टम मजबूत हो रहा है और अर्थव्यवस्था में भी पारदर्शिता आई है।

बता दें कि जीएसटी में फिलहाल 4 स्लैब हैं। इसमें 5 प्रतिशत के स्लैब में तेल-मसाले, अगरबत्ती, आयुर्वेदिक दवाएं, 12 प्रतिशत में प्रोसेस्ड फूड, हैंडबैग, ज्वेलरी बॉक्स, 18 प्रतिशत में साबुन, टूथपेस्ट, रेफ्रिजरेटर, स्मार्टफोन और 28 प्रतिशत के तहत वाइट गुड्स, कार, पान मसाला, तंबाकू आदि सामान आते हैं।

गौरतलब है कि राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में बीजेपी की हार के मुख्य कारणों में जीएसटी को एक माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि जीएसटी के कारण मोदी सरकार को छोटे और मध्यक्रम के व्यापारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ा है।

सरकार ने उर्जित पटेल से नहीं मांगा इस्तीफा:जेटली

नई दिल्ली (आरएनएस)। केन्द्रीय वित्तमंत्री अरुण जेटली ने मंगलवार को कहा कि सरकार ने उर्जित पटेल से इस्तीफा नहीं मांगा। उन्होंने कहा कि चुनिंदा सेक्टरों में लिक्विडिटी के मसले पर मतभेदों को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर उर्जित पटेल से इस्तीफा नहीं मांगा। दरअसल, जेटली एक कार्यक्रम में भाषण दे रहे थे। आपको बता दें कि केंद्र सरकार और आरबीआई के बीच बीते एक अरसे से टकराव की स्थिति बनी हुई है। इस टकराव के बीच में ही पटेल ने इस्तीफा दिया था। हालांकि पटेल ने अपने इस्तीफे को इस टकराव से नहीं जोड़ लेकिन प्रतिपक्षी पार्टियां सरकार पर इसी मामले को लेकर हमलाबर रुख अपनाए हुए है।

जेटली ने कहा कि सरकार ने चालू वित्त वर्ष के दौरान आरबीआई के कैपिटल रिजर्व से एक भी पैसा नहीं लिया है। इस महीने की शुरुआत में पटेल के अचानक इस्तीफे के बाद सरकार की आलोचना के सवाल पर उन्होंने कहा कि

आरबीआई बोर्ड की मीटिंग में केंद्रीय बैंक के पास मौजूद रिजर्व के मुद्दे पर भी चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा, सरकार ने उनसे कभी भी इस्तीफा देने के लिए नहीं कहा। वित्त मंत्रालय और आरबीआई के बीच आरबीआई के रिजवज् फंड को लेकर टकराव की स्थिति पैदा हो गई थी।

सरकार चाहती थी कि आरबीआई अपना रिजर्व फंड सरकार को रिलीज कर दे जबकि आरबीआई इसके पक्ष में नहीं है। पटेल को वित्त मंत्रालय की स्टैंडिंग कमेटी भी कई बार तलब कर चुकी थी। आरबीआई के गवर्नर रघुराम राजन के जाने के बाद मोदी सरकार ने पटेल का चयन किया था। लेकिन पिछले कुछ महीनों से पटेल के तेवर सरकार के साथ मेल नहीं खा रहे थे।

सोना हुआ महंगा, चांदी 85 रुपये सस्ती

नई दिल्ली (आरएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में दोनों कीमती धातुओं में रही तेजी के बीच कम भाव पर स्थानीय जेवराती ग्राहकी आने से मंगलवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना लगातार पांच दिन की गिरावट से उबरता हुआ 60 रुपये की मजबूती में 32,060 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। इस बीच औद्योगिक माँग सुस्त पडने से चाँदी 85 रुपये फिसलकर 38,315 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लंदन का सोना हाजिर आज 2.50 डॉलर की तेजी के साथ 1,248.10 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। फरवरी का अमेरिकी सोना वायदा भी 0.70 डॉलर की बढ़त में 1,252.50 डॉलर प्रति औंस बोला गया।

क्यूआर कोड के जरिए ऑफलाइन आधार वेरिफिकेशन जल्द

नई दिल्ली (आरएनएस)। कस्टमर्स का आधार के जरिए ऑथेंटिकेशन दोबारा शुरू होने वाला है। हालांकि यह ऑफलाइन किया जाएगा। एक टॉप गवर्नमेंट ऑफिशियल ने बताया कि अटॉर्नी जनरल की इस राय के बाद यह कदम उठाने की तैयारी है कि ऑफलाइन ऑथेंटिकेशन पर कानूनी सवाल नहीं उठेंगे। इससे टेलीकॉम और बैंकिंग सेक्टर को काफी राहत मिलेगी।

यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) के सीईओ अजय भूषण पांडेय ने कहा, ऑफलाइन ऑथेंटिकेशन पर कानूनी रूप से सवाल नहीं उठाए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस सिलसिले में सभी रेगुलेटर्स की राय एक जैसी है। उन्होंने संकेत दिया कि व्यवस्था

तैयार होने पर ऑफलाइन ऑथेंटिकेशन जल्द शुरू किया जाएगा।

क्यूआर कोड और अन्य तरीकों से आधार के जरिए ऑथेंटिकेशन कुछ सप्ताहों में शुरू हो सकता है। इससे बैंकों और टेलीकॉम कंपनियों को कस्टमर जोड़ने की रफ्तार बढ़ाने में मदद मिलेगी। सितंबर में आधार मामले में सुप्रीम कोर्ट की रूलिंग से इस पर असर पड़ा था। कोर्ट ने प्राइवेट इकाइयों को बायोमीट्रिक डेटाबेस का उपयोग कर उपभोक्ताओं का ऑनलाइन ऑथेंटिकेशन करने से रोक दिया था। हालांकि सर्विस प्रोवाइडर्स को ऑफलाइन ऑथेंटिकेशन का तरीका अपनाने के लिए अपने इंफ्रास्ट्रक्चर में बदलाव करने होंगे। यूआईडीएआई ने पहले ही मशीन से पढ़े जा सकने वाले क्यूआर कोड्स पेश कर दिए हैं, जिनमें संबंधित व्यक्ति के नाम, पते, फोटो और जन्म तिथि की जानकारी होती है। यह कोड आधार वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकेगा। इसका उपयोग ऑफलाइन मोड से ऑथेंटिकेशन में किया जा सकता है।

आज का राशिफल

मेष:गणेशजी के आशीर्वाद से आज आपका दिन अनुकूलता से परिपूर्ण रहेगा। आपको सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। इससे आप मन में हर्ष और प्रसन्नता का अनुभव करेंगे।

वृषभ:आज के दिन गणेशजी आपको सावधानीपूर्वक चलने की सलाह देते हैं। आज आपका मन अनेक प्रकार की चिंताओं से घिरा रह सकता है। स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा।

मिथुन:आज का दिन विविध लाभों की प्राप्ति करानेवाला साबित होगा। परिवार में संतान और जीवनसाथी से लाभदायक समाचार मिलेंगे। मित्रों से मुलाकात होगी, आनंदित रहेंगे।

कर्क:नौकरी या व्यवसाय करनेवालों के लिए आज का दिन लाभदायक रहेगा। नौकरीपेशा करनेवालों पर अधिकारियों की कृपादृष्टि रहने से पदोन्नति होने की संभावना है।

सिंह:आज का दिन शुभ फलदायक होगा। आप धार्मिक और मांगलिक कार्यों में उपस्थित रहेंगे। आपका व्यवहार न्यायप्रिय रहेगा। धार्मिक प्रवास का आयोजन होगा। स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा।

कन्या:आज खान-पान में सावधानी बरतें। गुस्से की मात्रा अधिक रहेगी। वाणी पर संयम रखें। पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव हो सकता है। पैतृक संपत्ति या विरासत से सम्बंधित समस्याएं पैदा होगी।

तुला:दिन सफलता और आमोद-प्रमोद से भरा होगा। आप पूरे दिन मन में प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। सार्वजनिक जीवन सम्बंधी कार्यों में सफलता और सिद्धि प्राप्त करेंगे।

वृश्चिक:आज का दिन सब तरह से सुखमय बीतेगा। परिवारजनों के साथ आनंदपूर्वक समय बिताएंगे। सेहत अच्छी रहेगी, मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी करनेवालों को साथी कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा।

धनु:आज का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। पेट में तकलीफ हो सकती है। संतानों का स्वास्थ्य और उनकी पढ़ाई के संबंध में मन परेशान रहेगा। कार्य में सफलता न मिलने से क्रोध होगा।

मकर:गणेशजी बताते हैं कि आज का दिन प्रतिकूलताओं से भरा रहेगा। जिससे मन में खिन्नता अनुभव होगा। शरीर में स्फूर्ति और ताजगी का अभाव रहेगा। सार्वजनिक जीवन में मानहानि होने की आशंका रहेगी।

कुंभ:गणेशजी कहते हैं कि आज आप तन-मन से प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। आपके मन पर छाए हुए चिंता के बादल दूर होने से आपका उत्साह बढ़ेगा। भाई-बंधुओं से साथ मिलकर कुछ नया काम कर सकते हैं। मित्रों और संबंधियों के साथ आनंदपूर्वक समय व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र में बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे।

मीन: गणेशजी आपको अपनी वाणी पर संयम रखने की सलाह देते हैं। क्रोध के कारण किसी के साथ तकरार या मनमुटाव होने की आशंका है। शारीरिक कष्ट का अनुभव होगा। विशेष रूप से आंख का ध्यान रखें।

इस सीजन पंजाब के ये दो भाई आइपीएल में मचाएंगे धमाल, इन टीमों ने लगाया दांव

नई दिल्ली। आइपीएल 2019 की नीलामी में वैसे तो कई बार फैंस सकते में आ गए क्योंकि जब टीम मालिको ने कई बड़े स्टार्स को ना खरीद कर अनजान चेहरों पर पैसों की बारिश की। वरुण चक्रवती के बारे में तो आप कई बात जान चुके होंगे लेकिन क्या आपको पता कि और भी कई अनजान चेहरे है, जिन्हें अपनी टीम में शामिल करने के लिए मालिकों के बीच होड़ मची।

इस नीलामी में पंजाब के सिंह ब्रदर्स प्रभसिमरन और अनमोलप्रीत सिंह को भी दुनिया ने पहली बार पहचाना। पंजाब के रहने वाले ये दोनों भाई अगले साल आइपीएल में अपनी अपनी टीमों से अपनी चमक बिखेरते नजर आएंगे। इस नीलामी में यह भाइयों की एकमात्र ऐसी जोड़ी रही जिसे अगले साल आइपीएल में खेलने का मौका मिला।

पहले बात करते हैं आक्रामक बल्लेबाज प्रभसिमरन की, 18 साल के इस का बेस प्राइस 20 लाख रुपए था और उन्हें पंजान ने 24 गुना कीमत देकर 4.80 करोड़ में खरीदा। अपने करियर के शुरुआत में किरण मोरे से विकेटकीपिंग की ट्रेनिंग लेने वाले प्रभसिमरन ने पिछले वर्ष कूच-बिहार ट्रॉफी में पंजाब की तरफ से खेलते हुए 549 रन बनाए, जिसमें 3 शतक शामिल थे। इसी के साथ यह बल्लेबाज अंडर-23 टूर्नामेंट में 302 गेंदों

में 298 रन की पारी खेल चुका है। एडम गिलक्रिस्ट और वीरेंद्र सहवाग को आदर्श मानने वाला यह क्रिकेटर अंडर-19 एशिया कप में भी जलवा बिखेर चुका है और अब उसे आईपीएल 2019 का बेसब्री से इंतजार है। अंडर-19 एशिया कप में प्रभसिमरन बीच टूर्नामेंट में टीम की कमान भी संभाल चुके हैं। भारत इस टूर्नामेंट में उपविजेता बना था।

घर का वास्तु दोष दूर करने के लिए किया जाता है 'ऊँ' का प्रयोग

हिंदू धर्म में 'ऊँ' को पवित्र ध्वनि माना गया है। कहा जाता है कि 'ऊँ' में दुनिया का सारी शक्तियां विद्यमान हैं। 'ऊँ' के उच्चारण से हर एक कष्ट दूर हो जाने की बात कही गई है। 'ऊँ' को ईश्वर का स्वरूप माना गया है। 'ऊँ' का जाप करने वाले व्यक्ति के आसपास सदैव ईश्वर का निवास होता है। कहा जाता है कि 'ऊँ' का जाप करने से धन, सेहत और वास्तु की समस्या दूर होती है। 'ऊँ' का प्रयोग करते समय सही विधि का पालन करना जरूरी माना

गया है। क्या आप जानते हैं कि घर का वास्तु दोष दूर करने के लिए 'ऊँ' का प्रयोग कैसे करना चाहिए? यदि नहीं तो चलिए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। इसके लिए घर के मुख्य द्वार के दोनों तरफ लाल सिंदूर से स्वस्तिक बनाएं। और मुख्य द्वार के ऊपर एकदम बीचोंबीच 'ऊँ' लिखें। ऐसा मंगलवार के दिन दोपहर के समय करने के लिए कहा गया है। माना जाता है कि ऐसा करने से घर का वास्तु दोष दूर हो जाता है। इससे परिवार के लोगों की आपसी कलह समाप्त हो जाती है। परिवार के लोग आपस में मिलजुलकर रहने लगते हैं। घर में सकारात्मक माहौल बनता है। साथ ही ऐसा करने से घर की आर्थिक स्थिति में भी मजबूती आने की बात कही गई है। 'ऊँ' का प्रयोग धनलाभ के लिए भी किया जाता है। इसके लिए एक सफेद कागज का टुकड़ा लें। इस टुकड़े पर हल्दी के घोल से 'ऊँ' लिखें।

इसके बाद इसे पूजा स्थल पर रखकर दीपक और अगरबत्ती दिखाएं। और फिर कागज के सूख जाने के बाद उसे अपने पर्स में रख लें। माना जाता है कि ऐसा करने से आर्थिक दिक्कतें समाप्त हो जाती हैं। जीवन में धन का आगमन होता है। साथ ही रुका धन भी वापस मिलने की बात कही गई है।

घर पर बनाएं - हैल्दी केक

सामग्री :-

केला-3, अंडे-2, गेंहू का आटा-1 कप, चीनी-1/2 कप, ब्राउन शुगर-1/4 कप, एप्पल सॉस-1/3

कप, ऑलिव ऑयल-1 टीस्पून, बादाम मिल्क-7 टीस्पून, नमक-1/2 टीस्पून, बेकिंग सोडा-1 टीस्पून, मिनी चॉकलेट चिप्स-1/2 कप

विधि :-

30 डिग्री पर ओवन को प्रीहीट कर लें। फिर बेकिंग ट्रे पर थोड़ा सा ऑयल लगा कर उसे चिकना कर लें।

एक बाउल में चीनी, एप्पल सॉस और ऑलिव ऑयल डालकर अच्छे से मिक्स करें और अलग रख दें।

केला, अंडा, बादाम मिल्क, नमक और बेकिंग सोडा को ब्लेंडर जार में डालकर स्मूद पेस्ट बना लें।

फिर एक बाउल में आधे केले का पेस्ट, चीनी का मिक्सचर और गेंहू का आटा डालकर अच्छे से फेंट लें। फिर इसमें बचा हुआ केला डालें और अच्छे से मिक्स कर लें।

अब इस मिक्सचर को बेकिंग ट्रे में डालें और ऊपर से चॉकलेट चिप्स डालकर ओवन में 45 मिनट तक गोल्डन ब्राउन होने तक बेक कर लें।

केक को ओवन से निकाल कर 15 से 20 मिनट तक ठंडा होने दें। इसे स्लाइस में काट कर सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-22

बाएं से दाएं :
1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा) 11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, छप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे
1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

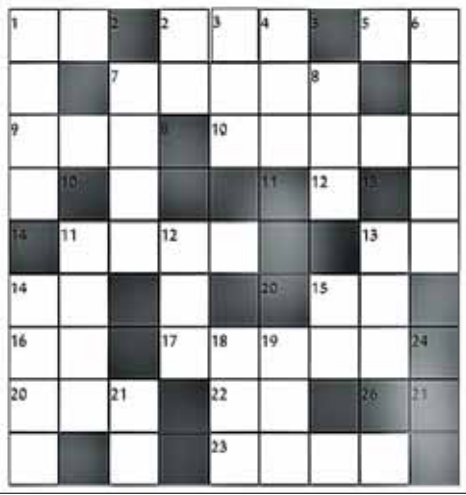

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 21 का हल

ग	ल	त	ज			खा	म	खाँ
णे		ल		झ	प	की		
श	र	ब	त		रं			मि
	ज	गा	ना		प	रा	का	छा
	नी	र		वि	रा	ज	मा	न
ना	च		प			य		
म	र	णा	स	न		पा	नी	
ची			प		पा		भो	
न	ज	रा	ना		स	मा	चा	र

सू-दोकू-22

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.21 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1